

संख्या-1639/15(13)91-4(34)791

1639/15(13)/91-4(34)/791

प्रेषक,

अधीक गाँगली,
उप तचिपि,
उत्तर प्रदेश ज्ञासन।

लेखा में,

लैटरी
तेन्दुल बोर्ड आफ लैटरी समोहन,
2/19, तस पिलार अंडाही टीड,
दारियांगज, नई दिल्ली।

शिक्षा 1131 अनुभाग

लड़न्हाः दिनांक 31 अगस्त, 1991

विषय:- होम सेट्टीग्री भीगमुर, देवराठून की अनापत्ति प्रश्नाण्वय दिये जाने के सम्बन्ध में।

मर्दोदय,

उपर्युक्त विषयक मुझे यह कहने का निकाल हुआ है कि होम सेट्टीग्री भीगमुर देवराठून की तेन्दुल बोर्ड आफ लैटरी समोहन, नई दिल्ली से सम्बद्ध हैं तथा अनापत्ति प्रश्नाण्वय दिये जाने हेतु इस राज्य सरकार के निम्नलिखित प्रतिवेदी/गतों के अधीन आपत्ति नहीं हैं:-

क। सामान्य प्रतिवेद्य :

- 11। विषालय की प्रबन्ध तमिति में शिक्षा निदेशक दारा नामित एक तदन्त्य होगा।
- 12। विषालय में कश से लग 10 प्रतिशत स्थान खेलाड़ी, विष्णु सर्व निवाल आय कर्म केवलों के लिए सुरक्षित रहेंगे तथा उनके ३०५० माध्यमिक शिक्षा परिषद/वैतिल शिक्षा परिषद दारा संचालित विषालयों में विभिन्न कालाजां के लिए निर्धारित शुल्क से अधिक शुल्क नहीं लिया जायेगा।
- 13। संस्था को राज्य सरकार द्वारा कोई अनुदान नहीं दिया जायेगा।
- 14। संस्था के तथा अध्यापक/अध्यादिकारी प्रशिक्षित होंगी। संस्था के विष्णु तथा शिक्षणस्तार कर्मियां रियों को राज्यीय तहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के कर्मियां रियों लो अनुमन्य खेलनमानों तथा अन्य गतों से कम खेलनमान सर्व अन्य भत्तों नहीं दिये जायेंगे।
- 15। राज्य सरकार अपेक्षा शिक्षा विभाग दारा जो भी आदेश निर्गत किये जायेंगे, उनका वालन करना संस्था हे लिए अनियार्थ होगा।
- 16। विषालय में अनुसासन तथा शिक्षा का तार उच्च छोटि का रहा जायेगा।

III। शिल्प प्रतिबन्ध :

- 111 विवाहय की प्रबन्ध समिति रजिस्टर्ड होगी तथा तमस-तमस पर नियमानुसार उतका ज्ञानी भी कराया जायेगा ।
- 121 विवाहय में प्रत्येक क्षेत्र व अनुभाग के लिए उचित आकार कैवल्य-कर्म दो वैश्विक विषय क्षेत्र, दो प्रयोग्यकाला क्षेत्र तथा यार प्रशासनिक क्षेत्र की व्यवस्था भी जायेगी ।
- 131 कर्मवाचियों की सेवा ही बनायी जायेगी और उन्हें ज्ञावता प्राप्त अकात्मकीय उच्चतर माध्यमिक विवाहयों के कर्मवाचियों की अनुमन्य सेवा नियृत्ताक लाभ उपलब्ध कराये जायेंगे ।
- 141 विवाहय का नेता जोहा जोहा निर्णीतदुष्टनी/वंचित्तनी में रहा जायेगा ।
- 2- उस प्रतिबन्ध/ज्ञानी को सौताइटी की नियमावली में त्वच्छ त्व ते तमाचा किया जायेगा तथा उन ज्ञानी/प्रतिबन्धी को सौताइटी की नियमावली में तमाचा किये जाने की सूचना तथा उसकी पुष्टि में ज्ञानी की नियमावली की प्रति राज्य लरकार को इस अदेश के बारी होने के बाद के भीतर उपलब्ध कराया जायेगा । नियमावली के ठवता ज्ञानी में राज्य लरकार के पूर्वानुबोधन के बिना कोई ज्ञानीधन/वरिष्ठानि/वरिष्ठीन नहीं किया जावेगा ।
- 3- उस ज्ञानी का पालन करना तंत्या के लिए अनिवार्य होगा और यदि जिसी भी तम्य यह काया जाता है फि तंत्या द्वारा उक्तज्ञानी का पालन नहीं किया जा रहा है ग्रन्था पालन इसी में जिसी उड़ार ही कोई दूँक या शिपिला बहती जा रही है तो राज्य लरकार द्वारा प्रदत्त अवार्पित प्रमाण वन वापत जे लिया जायेगा ।

भवदीय,

। ज्ञानीक गाँगी ।
उप तापिवे ।

तंत्या : १६३९ ॥ १/१५ ॥ ३१/२। तददिनांक

प्रतिलिपि निष्पांकित को सूचनार्थी एवं आवायक कार्यकारीघर प्रेषित:-

- 111 शिल्प निकाम, उत्तर प्रदेश, शिल्प । लालो-२१ गुरुगांग, काशीवाद ।
- 121 निरीक्षक, अंगन भारतीय विवाहय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।
- ✓ 131 प्रबन्धीक, होम एकड़मी, भीगपुर, देहरादून ।
- 141 क्रांतीय उप शिल्प निकाम, पांडी ।
- 151 जिला विवाहय निरीक्षक, देहरादून ।

जारा ने ३१.१२.११
जारा गाँगी ।
उप सूचिये ।